1969 का शिया सुन्नी समझौता

सरकारी प्रेस–नोट दिनांक 25 सितम्बर 1969

मुख्यमन्त्री ने गत संध्या को नगर में शिया और सुन्नी नेताओं का एक सम्मेलन दोनों गुटों के बीच एक समझौता कराने के लिए बुलाया। लम्बी चली वार्ताओं के पश्चात, उन्होंने धार्मिक मीलादों, मजलिसों, अलमों, जुलूसों आदि की संचालन संहिता के बारे में एक सन्धि (क़रार) की। दो गुटों के बीच हुई सन्धि का प्रालेख (Text) निम्नवत है:–

1. शिया अपने अलम और जुलूस निकालेंगे और अपने सामान्य मीलादों को आयोजित करेंगे, परन्तु वे किसी सार्वजनिक स्थान पर किसी प्रकार से तबर्रा नहीं पढ़ेंगे। अपने मीलादों में शिया नबी (मुहम्मद साहब) और अपने इमामों की प्रशंसा (मदह) इस प्रकार करेंगे जिससे सुन्नियों की धार्मिक भावनाओं और संवेदनाओं को ठेस न लगे।

2. सुन्नी अपने मीलाद सामान्य ढंग से करेंगे जिसमें वे नबी और उनके साथियों के जीवन, शिक्षाओं और उपलब्धियों का वर्णन जिस प्रकार से अब तक करते चले आये हैं, करेंगे। ऐसे मीलादों में नबी और उनके साथियों की मदह (मद्हे सहाबा) ऐसे ढंग से पढ़ी जायेगी कि इससे शियों की धार्मिक भावनाओं और संवेदनाओं को ठेस न लगे।

3. अलमों, मीलादों, मजलिसों और जुलूसों के सम्बन्ध में कोई नयापन (Innovation) नहीं होगा। वर्तमान मीलाद, अलम, मजलिसों और जुलूस जैसा कि त्योहारों की पन्जियिका में अभिलिखित (दर्ज) हैं, दोनों पक्षों पर बाध्य होंगे और किसी पक्ष के द्वारा जवाबी मीलाद या जलसे आयोजित नहीं कराये जायेंगे और दोनों पक्ष कोई ऐसी बात करने से दूर रहेंगे जो एक दूसरे की धार्मिक भावनाओं और संवेदनाओं को ठेस लगाने से ध्येय से हो।

दोनों गुटों के बीच समझौते को देखते हुए शासन ने उन सात व्यक्तियों को मुक्त कर दिया है जो नगर के शिया सुन्नी विवाद के सम्बन्ध में निवारक निरोध अधिनियम (Preventive Detention Act) के अन्तर्गत नज़रबन्द (Detained) किये गये थे।

1. सैयद अशरफ़ हुसैन, एडवोकेट
2. मौलाना सैयद मुज़फ्फ़र हुसैन ताहिर जरवली
3. मौलाना सैयद कल्बे सादिक़
4. मौलाना सैयद अली नासिर सईद
5. मौलाना सआदत हुसैन
6. मौलाना मिर्ज़ा मुहम्मद आलिम

1. नज़ीर अहमद, एडवोकेट
2. क़ारी मुहम्मद सिद्दीक़
3. सग़ीर अहमद, एडवोकेट
4. हाजी वसी अहमद चरारी
5. हाजी अमीन सलोनवी
6. हाजी ज़ैनुल आबिदीन

(मूल अंग्रेज़ी नोट का अनौपचारिक अनुवाद)

1974

124 – Annexure

ACCEPTANCE OF THE RECOMMENDATIONS OF THE COMMITTEE APPOINTED BY THE GOVERNMENT ON SHIA SUNNI DISPUTE IN 1974.

R.K. Kaul,
Commr. and Secy. Home.

D.I. No.20(50)m/1974(b)
Government of Uttar Pradesh
Home (Police) Anubhag-11.
Dated, Lucknow Oct. 5, 1974.

Kindly refer to your letter of September 20, 1974 addressed to the Deputy Commissioner, Lucknow proposing the names for being nominated on the Shia-Sunni panel. In the light of your letter, Syed Ali Zaheer was nominated to serve on the three member Shia Sunni panel & Hazrat Maulana Saeed Ahmad Hashmi, Member of parliament was also nominated on behalf of Sunnis. The third member nominated with the consent of both parties was Smt. Swarup Kumari Sakshi, M.L.A. The three member Shia Sunni panel was accordingly constituted on Sept. 21, 1974 to work out the formula for solu-tion of the dispute between the Shias and the Sunnis in Lucknow.

The panel heard the cases presented before by the Sunnis and Shia leaders and after considering all the points it has made following recommendations to the State Government.

135-

(a) That 1969 agreement arrived at between the Shias and Sunnis should be adhered to but certain restrictions need to be imposed on the customary religious processions of Shias passing through the PateNala and Pul Gulam Husain streets.

(b) That nothing should be done by the Shia processionists to cause annoyance or hurt the feelings of Sunnis while the processi... pass through the streets of Pata Nala and Pul Gulam Husain and, further that the numbers, the durations and the conduct of these processions shall be regulated.

(c) That the details and modalities of the restrictions to be imposed on the above processions shall be decided upon by the District authorities of Lucknow after assessing the situation from time to time and their decision will be binding and acceptable to the Shias and Sunnis.

3. The above recommendations of the three member Shia-Sunni Panel have been accepted by Government and the district authorities at Lucknow are being advised to take action accordingly.

Contd/...

-126-

4. The State Government wishes to convoy its gratitude to the three members of the pennel as also to the leaders of the Sunnis and Shias for their strenous efforts and public spritedness displayed in working out the formula so that the object of restoring peace and amity in the city of Lucknow is achieved.

Yours sincerely,

(R. K. KAUL)

1. Maulana Kalbe Abid.
2. Syed Tahir Jarwali.